प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली

दिनांक: 17th सितंबर, 2025

राज्य वित्त सचिवों के वार्षिक सम्मेलन 2025, का पूर्वावलोकन

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) का देश की सार्वजनिक वित्त संरचना में एक अद्वितीय स्थान है, जो संघ और राज्य सरकारों के बीच एक उभयनिष्ठ कड़ी के रूप में कार्य करता है। सीएजी का कार्य केंद्र और राज्य सरकारों के उच्च-गुणवत्ता वाले लेखापरीक्षा के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देना है, साथ ही राज्य सरकारों के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करना है।

वर्ष 2024 में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में प्रासंगिक मामलों पर चर्चा करने, राज्यों में अपनाई गई उत्तम प्रथाओं का प्रचार-प्रसार करने तथा केंद्र सरकार की उत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेने के लिए राज्य वित्त सचिवों की वार्षिक सभा की एक महत्त्वपूर्ण पहल शुरू की है। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप राज्य सरकारों द्वारा कई बेहतर वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं का कार्यान्वयन किया गया।

इस पहल को जारी रखते हुए, वर्ष 2025 के लिए राज्य वित्त सचिवों का वार्षिक सम्मेलन 19 सितंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें केंद्र प्रायोजित योजनाओं के संबंध में रिपोर्टिंग ढांचे को मजबूत करने, सार्वजनिक वित्त पर उत्तम

प्रथाओं के प्रसार, बेहतर प्रशासन के लिए सूचना प्रोद्यौगिकी प्रणालियों और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं और स्वायत्त निकायों के लेखांकन और लेखापरीक्षा को मजबूत करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्र में राज्य वित्त सचिवों को वित्तीय प्रथाओं और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार लाने के लिए अपनी–अपनी राज्य सरकारों की उत्तम प्रथाओं और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य सरकारों के वित्त सचिवों, भारतीय रिजर्व बैंक, लेखा महानियंत्रक (सीजीए) तथा रेलवे, दूरसंचार और रक्षा के लेखा सेवाओं के प्रमुखों के साथ-साथ राज्यों में सीएजी के लेखापरीक्षा और लेखा कार्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले महालेखाकारों के भाग लेने की आशा है। इस सम्मेलन में देश भर से लगभग दो सौ प्रतिनिधि भाग लेंगे।

अपनी तरह की पहली शुरुआत में, सीएजी वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए राज्य वित्त पर प्रकाशन का अनावरण करेंगे। राज्य सरकार के लेखे एवं राज्य वित्तीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट, जो प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए तैयार किए जाते हैं और राज्य विधानमंडल में रखे जाते हैं, तथा संयुक्त वित्त और राजस्व लेखे जो प्रतिवर्ष तैयार किए जाते हैं, के विपरीत यह प्रकाशन दस वर्ष की अवधि में अंतर-कालिक और अंतर-राज्यीय राजकोषीय जानकारी को एकत्रित करता है। इसमें व्यापक स्तर पर

तथा सूक्ष्म स्तर पर तुलनात्मक स्थिति सम्मिलित है, जिसमें व्यापक राजकोषीय और लेखा संबंधी जानकारी सम्मिलित है। यह प्रकाशन देश के सार्वजनिक वित्त से जुड़े नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, इस जानकारी को उपयोगकर्ता-अनुकूल तरीके से उपलब्ध कराने के लिए, सीएजी ने एक इंटरैक्टिव डेटा डैशबोर्ड तैयार किया है, जिसे सीएजी की वेबसाइट पर जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के तत्वावधान में राज्य वित्त सचिवों का सम्मेलन देश के राजकोषीय कैलेंडर में अब एक वार्षिक आयोजन बन गया है। राज्य और केन्द्र सरकार के विभिन्न हितधारकों की भागीदारी से यह मंच देश में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

BSC/SS/IK/64-25